महिला शक्ति के आगे नरम पड़े मेट्रो मैन

कार्यालय संवाददाता
नई दिल्ली

छात्राओं को मिली सफलता

- सिर्फ दुबई मेट्रो में है महिलाओं के लिए रिजर्व कोच
- विश्वभर में डेढ़ सौ से अधिक शहरों में है मेट्रो का संचालन

महिला शक्ति के आगे आखिरकार मेट्रो मैन डॉ. ई. श्रीधरन नरम पड़ गए। चारों ओर से महिलाओं की मांग को वह अधिक दिनों तक वह ठुकरा नहीं सके।

कश्मीरी गेट से दिल्ली विश्वविद्यालय तक जब मेट्रो दौड़ी तभी से वहां की छात्राएं यह मांग करती रही हैं कि महिलाओं के लिए मेट्रो का एक कोच रिजर्व होना चाहिए। छात्र संघ की ओर से भी यह मांग उठती रही है। कई महिला संस्थाएं भी महिलाओं के लिए कोच रिजर्व करने की मांग उठाती रही हैं।

महिलाओं की यह मांग कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी, मुख्यमंत्री शीला दीक्षित तक कई बार पहुंच चुकी थी। यहां तक दिल्ली की स्वास्थ्य मंत्री प्रो. किरण वालिया भी इस मांग के पक्ष में रही हैं। लेकिन महिलाओं की इस मांग को मेट्रो मैन हमेशा नजरअंदाज कर रहे थे। हर बार वह यही कहते थे कि फिलहाल ऐसा कोई विचार नहीं है।

पिछले महीने पर मेट्रो स्थापना दिवस पर पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने कहा था कि दुबई मेट्रो को छोड़कर दुनिया की किसी भी मेट्रो में महिलाओं के लिए अलग से कोई कोच नहीं है।

विश्व भर में डेढ़ सौ से अधिक शहरों में मेट्रो संचालित है। लेकिन तब उन्होंने इतना इशारा जरूर किया था कि मेट्रो सफर करने वाले यात्रियों में एक चौथाई हिस्सा महिलाओं का है।

मालवीय नगर में सतर्क नागरिक संगठन की ओर से आयोजित 'जन सुनवाई' कार्यक्रम में सुनी गईं लोगों की दिक्कतें। •हिन्दुस्तान

जनता की पाई पाई का हिसाब होगा हिंदी में

प्रमुख संवाददाता
नई दिल्ली

जन सुनवाई

- बोर्ड लगाने की जिम्मेदारी होगी जिला उपायुक्तों की
- एक अक्टूबर से नेट पर उपलब्ध होगा अस्पतालों में हर मुफ्त बैड का ब्योरा

जनता की पाई-पाई का हिसाब अब जनप्रतिनिधियों को देना होगा। जनप्रतिनिधियों द्वारा विकास पर खर्च किया जाने वाला पैसा जनता का है जिसका हिसाब मांगने का उसे पूरा हक है। यह हिसाब अब सांसदों व विधायकों के दफ्तरों के बाहर बोर्ड पर दर्शाया जाएगा और बोर्ड लगाने की जिम्मेदारी जिला उपायुक्तों की होगी।

इस बात की सिफारिश शीघ्र ही केंद्रीय सूचना आयुक्त वजाहत हबीबुल्लाह लोकसभा अध्यक्ष व दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष को करेंगे। यह घोषणा केन्द्रीय सूचना आयुक्त ने मालवीयनगर स्थित सामुदायिक भवन में सतर्क नागरिक संगठन की ओर से आयोजित 'जन सुनवाई' कार्यक्रम में की। उन्होंने कहा कि हालाकि वह पांच दिन बाद इस पद से रिटायर होने जा रहे है लेकिन इससे पहले सूचना के अधिकार के तहत यह काम जरूर कर जाएंगे। सूचना आयुक्त के पद पर पांच सालों के दौरान उन्होंने जो सीखा है उतना 40 साल की सरकारी नौकरी में नहीं सीखा। सूचना आयुक्त शैलेश गांधी ने कहा कि जनप्रतिनिधियों के हिसाब के बोर्ड हिंदी में लगाए जाएंगे लेकिन इन बोर्ड की सूचना का लोग इस्तेमाल करें तभी यह सार्थक पहल होगी। आज नेट पर सारी जानकारी उपलब्ध है। राशनकार्ड की पूरी जानकारी भी नेट पर दी जा रही है। केवल इसके इस्तेमाल की जरूरत है।

सूचना के अधिकार की राष्ट्रीय मुहिम के पूर्व संयोजक शेखर सिंह ने कहा कि सूचना के अधिकार के तहत इस तरह की जनसभाओं में अफसरों को बुलाने का प्रावधान है। उन्होंने सूचना आयुक्त से मांग की कि भविष्य में अफसरों को बुलाकर जबाव दिलावाए जाएं। मुहिम के संयोजक निखिल डे ने कहा कि विकास की हर फाइल दीवार पर आनी चाहिए। उन्होंने नारा लगवाया, 'यह पैसा है हमारा आपका, न ही किसी के बाप का। वार्ड हमारा है न ही किसी के बाप का। बिहार (नोखा विधानसभा क्षेत्र) के भाजपा विधायक डा.रामेश्वर प्रसाद ने कहा कि नेता जनता के बीच से आता है और उसकी समाज के प्रति जबावदेही है। उन्होंने लोगों से कहा कि वे अपनी ताकत को समझे तथा ग्रुपों में जाकर जनप्रतिनिधियों से विकास फंड के बारे में जबाव मांगे। संगठन की निदेशक अंजलि भारद्वाज, अमृता व अशोक ने सूचना के अधिकार के तहत 120 वार्ड के पार्षदों के कार्यों पर जुटाई गई जानकारी का ब्यौरा दिया। इस जानकारी पर आधारित श्रृंखला हिन्दुस्तान में पार्षद जी का रिपोर्ट कार्ड शीर्षक से प्रकाशित हुई थी। कार्यकर्ता उमा ने झुग्गीबस्तियों की बदहाली पर कविता सुनाई। जनसुनवाई में स्लम बस्तियों से आए लोगों ने अपनी इलाके की पीड़ा बताई। गोल गुंबद कैंप की माया ने कहा कि शौचालय तक के लिए उन्हें पानी खरीदना पड़ता है तो जगदंबा कैंप की जमीला ने बार-बार पेंशन बंद होने की शिकायत की। रामदेव, रेखा, जसवंती, मिट्ठूदास, होलीलाल, पुष्पा, लीला, आशा, सुशीला ने भी इलाके की समस्याओं और नेताओं की बेरुखी के बारे में बताया।

एक नजर

सब्जी बाजार हटाया

पहाड़गंज स्थित नबी करीम सब्जी बाजार इलाके से अचानक सब्जियां गायब हो गई। पुलिस ने यहां लगने वाला सब्जी बाजार हटा दिया है। यह बाजार लगभग 50 साल से यहां लग रहा था और इलाके का नाम ही सब्जी बाजार रख दिया गया था। पुलिस ने सुरक्षा के नाम पर 50 से अधिक सब्जी विक्रेताओं को खदेड़ दिया और सब्जियां अपने कब्जे में ले ली।

हादसे में महिला की मौत

नारायणा इलाके में बस से उतरकर सड़क पार कर रही एक महिला को ट्रक ने टक्कर मार दी। घायल महिला की पहचान विष्णु गार्डन निवासी हरजीत कौर के रूप में की गई। महिला को उपचार के लिए डीडीयू अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। नारायणा थाने की पुलिस ने चालक मोहन सिंह को गिरफ्तार कर ट्रक जब्त कर लिया है।

मंचन

हिन्दी भवन के पूर्व अध्यक्ष स्व. धर्मवीर की स्मृति में हिन्दी भवन द्वारा कबीर एकल नाट्य का सार्थक एवं सफल मंचन किया गया। संगीतकार और गायक शेखर सेन ने अपनी इस प्रस्तुति में 38 चरित्रों को अभिनीत किया और कबीर की रचनाओं को 43 रागों में संगीतबद्ध किया।

स्थापना दिवस

राजीव गांधी कैंसर इंस्टीट्यूट का 14 वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर डी. एस. नेगी, डा. ए. के. दीवान, डा. ए. के. चतुर्वेदी सहित काफी संख्या में डाक्टर व अन्य स्टाफ उपस्थित थे।

शिविर

कैंसर हीलर सेंटर की ओर एक नि:शुल्क शिविर का आयोजन किया गया। सेंटर के डा. तरंग कृष्णा ने बताया कि शिविर में 35 मरीजों को कैंसर की मुफ्त दवा दी गई। 320 लोगों का रजिस्ट्रेशन किया गया। डा. तरंग ने कहा कि इलाज कराकर कैंसर से लड़ा जा सकता है।

पैरों के रास्ते आ सकता है दिल का दौरा

कार्यालय संवाददाता
नई दिल्ली

बिना किसी चोट के यदि नियमित पैरों की मांसपेशियों में दर्द है तो यह खतरा पैरों में अटैक का भी हो सकता है। ऐसे मामलों में मरीज अक्सर दिल की जांच कराते हैं, लेकिन जांच सामान्य आती है, लंबे समय तक पैर की नसों का बाधित रक्तप्रवाह दिल के दौरे के रूप में सामने आता है। विश्व हृदय दिवस के अवसर पर आयोजित दिल का दरबार कार्यक्रम में दिल की विभिन्न तकलीफों से जुड़े प्रश्न किए गए।

स्वास्थ्य जांच शिविर में 70 वर्षीय देवी शरमन ने पैरों में दर्द की शिकायत बताई। हार्ट केयर फाउंडेशन ऑफ इंडिया के डॉ. के के अग्रवाल के अनुसार धमनियों के जरिए दिल को होने वाले रक्त का प्रवाह कहीं भी बाधित हो सकता है।

पैरों में दौरा पड़ने का मामला पिछले 5 साल में 50 फीसदी बढ़ा है। सही समय पर जांच कर वैरिकोज वेन की रूकावट को दूर किया जा सकता है। 35 वर्षीय शैलबाला ने पूछा कि तीन सीढ़िया चढ़ते ही उनका सांस फूलने लगता है, जबाव में मेदांता मेडसिटी के चैयनमैन और कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. प्रवीर चंद्रा ने बताया कि यह हृदय की असामान्य गतिविधि का लक्षण हो सकता है।

जिसमें नियमित व्यायाम व खाने में फैट की मात्रा तुरंत कम कर देना ही फायदेमंद है। नेशनल हार्ट इंस्टीट्यूट के डॉ. ओपी यादव ने बताया कि एस्प्रिन की टैबलेट चबाकर अचानक होने वाले हार्ट अटैक को 22 फीसदी कम किया जा सकता है। शिविर में एक हजार से अधिक लोगों ने ईसीजी, फास्टिंग पीपी व बीएमआई जांच कराई।

क्या है इलाज

आधुनिक 64 सीटी स्कैन से पैरों की नसों की रूकावट का कारण पता लगाते हैं। जिसके बाद एंजियोप्लास्टी कर नसों के अवरूद्ध मार्ग को खोला जाता है। इलाज में तेरह हजार का खर्च आता है।

सावधानी की जरूरत

- पैरों की नसों का बाधित रक्त प्रवाह बन सकता है कारण
- वैरिकोज नस में जमा थक्का कर सकता है प्रभावित
- विश्व हृदय दिवस पर जांच शिविर का आयोजन

क्या है वैरिकोज वेन

- पैरों के जरिए दिल से जुड़ने वाली वैरिकोज वेन टखने के पीछे और पैर के निचले हिस्से से गुजरती हैं।
- पैरों का हृदय की ओर रक्तप्रवाह करने में अहम रोल होता है, जिसमें रूकावट दिल के लिए भी बाधा बनती है।
- वैरिकोज वेन में खून का थक्का जमने के कारण दिल में खून के सामान्य संचरण का मात्र रूक जाता है।

क्या है लक्षण

- पैरों में सूजन व दर्द, पिंडियों का काला पड़ जाना, पैरों के लटकते ही सूजन व भारीपन का एहसास होना, रक्तचाप का अनियत्रित रूप से बढ़ना

शहरी महिलाएं स्तन कैंसर के करीब

नई दिल्ली (का.सं.)। ग्रामीण क्षेत्र की अपेक्षा शहरी महिलाओं के स्तन कैंसर की संभावना 40 फीसदी अधिक देखी गई है। जिसका प्रमुख कारण मोटापा, देर से विवाह, स्तनपान न कराना और अनियमित दिनचर्या है। दिल्ली प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा रविवार को मॉडल टाउन स्थित अग्रवाल धर्मशाला में स्तन कैंसर जांच शिविर आयोजित किया गया।

शिविर में 200 महिलाओं का पंजीकरण किया गया, जिसमें 10 महिलाओं की विशेष स्क्रीनिंग की गई। महिला रोग विशेषज्ञ डॉ. लतेश गोयल ने बताया कि स्तनपान न कराना भी स्तन कैंसर का प्रमुख कारण माना गया है। जिसकी जांच साधारण मेमोग्राफी जांच से की जा सकती है।

दिल्ली के बाहर नहीं देगा डीयू मान्यता

दूर के शिक्षण संस्थानों को मान्यता देने से शिक्षा की गुणवत्ता हो सकती है प्रभावित

प्रभात कुमार
नई दिल्ली

दिल्ली से बाहर के शैक्षणिक संस्थान, भले ही अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थान ही क्यों न हो, दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) में मान्यता नहीं मिलेगी। दिल्ली हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में यह व्यवस्था देते हुए राष्ट्रीय अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थान आयोग के उस फैसले को रद्द कर दिया है जिसमें गुजरात के एक अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थान को डेंटल कॉलेज खोलने के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय को मान्यता देने का आदेश दिया गया था। न्यायमूर्ति एस. मुरालीधर ने यह फैसला दिल्ली विश्वविद्यालय की अपील को स्वीकार करते हुए दिया है।

उन्होंने अपने फैसले में डीयू अधिनियम 1922 की धारा 5 का हवाला देते हुए कहा कि इसके तहत दिल्ली से बाहर के शैक्षणिक संस्थान, भले ही वह अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थान ही क्यों न हो, दिल्ली विश्वविद्यालय में मान्यता नहीं दी जा सकती है।

हाईकोर्ट ने डीयू के इस विशेष अधिकार का हवाला देते हुए 'बाम्बे पटेल वेलफेयर सोसायटी' को गुजरात के भड़ौच में डेंटल मेडिकल कॉलेज खोलने की मान्यता देने की मांग ठुकरा दी है। हाईकोर्ट ने संविधान की अनुच्छेद 30(1) का जिक्र करते हुए कहा कि इसके तहत प्राप्त मौलिक अधिकार भी शैक्षणिक संस्थानों को मान्यता देने के मामले में लागू नहीं होता है। हाईकोर्ट ने दिल्ली विश्वविद्यालय की ओर से अधिवक्ता मनिंदर आचार्या की उस दलील को अपने फैसले में स्वीकार किया है जिसमें कहा गया था कि हजारों किलोमीटर दूर के शिक्षण संस्थानों को मान्यता देने से न सिर्फ शिक्षा की गुणवत्ता प्रभावित होगी बल्कि मेडिकल का परीक्षा का आयोजन एवं मूल्यांकन करने में काफी परेशानियों का सामना करना होगा क्योंकि विश्वविद्यालय के पास मेडिकल क्षेत्र के विशेषज्ञ मौजूद नहीं हैं। मुस्लिम समुदायों द्वारा संचालित बाम्बे पटेल वेलफेयर सोसायटी, भड़ौच ने वर्ष 2005 में डेंटल कॉलेज खोलने के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय से मान्यता देने की मांग की थी, लेकिन विश्वविद्यालय ने मना कर दिया था।

किसका क्या है तर्क

अल्पसंख्यक शैक्षिणिक संस्थान

राष्ट्रीय अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थान अधिनियम की 10 (1) का हवाला देते हुए कहना है कि अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थान को अपनी मर्जी व पसंद से देशभर में किसी भी विश्वविद्यालय में मान्यता प्राप्त करने का विशेष अधिकार है।

दिल्ली विश्वविद्यालय

डीयू अधिनियम की धारा में साफ कहा गया है कि कोई भी शैक्षणिक संस्थान जो दिल्ली से बाहर है, भले ही वह अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थान ही क्यों न हो, यहां मान्यता नहीं दी जा सकती।

भाजपा बनाएगी ब्लड बैंक

नई दिल्ली (प्र.सं.)। दिल्ली भाजपा ब्लड बैंक बनाएगी। यह घोषणा प्रदेश अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने केशवपुरम जिला की ओर से आयोजित निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर में की। पंडित दीन दयाल उपाध्याय की स्मृति में आयोजित इस शिविर में 1100 कार्यकर्ताओं ने रक्तदान किया जिसमें 200 कार्यकर्ता केशवपुरम जिले के थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष रेखा गुप्ता ने की। निशुल्क दवाइयां व चश्मों का वितरण किया गया। मोतियाबिंद के आपरेशन भी किए गए। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि ब्लड बैंक दिल्ली की लोगों की सेवा के तहत बनाया जाएगा तथा कार्यकर्ता इसमें बढ़ चढ़कर हिस्सा लेंगे।

सैकड़ों शोधकर्ता वेतनवृद्धि से छूटे

विशेष संवाददाता
नई दिल्ली

देश के कई शोध संस्थानों में तैनात रिसर्च आफीसरों को छठे वेतन आयोग की सिफारिशों के अनुरूप वेतन नहीं मिलने से उनमें रोष है। इसके चलते नई दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में सैकड़ों शोधकर्ता प्रभावित हो रहे हैं।

भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने हाल में एक आदेश में सितंबर 2009 से रिसर्च ऑफीसर को छठे वेतन आयोग का लाभ देने का आदेश दिया था लेकिन एम्स के कई महकमों में इस आदेश का पालन अभी तक नहीं किया गया है। एम्स के अलावा देश के अन्य कई संस्थानों में भी ऐसी स्थिति है। सूत्रों के अनुसार रिसर्च ऑफीसर जो एमबीबीएस और एमडी डाक्टर हैं, उन्हें प्रतिमाह 20-25 हजार रुपये ही मिल रहे हैं। जबकि इनका रेंक जूनियर रेजिडेंट डाक्टर के बराबर होता है। छठे वेतन आयोग के बाद जूनियर डाक्टरों का वेतन 45-50 हजार के बीच पहुंच चुका है। लेकिन इन्हें अभी भी पुराने वेतन मिल रहे हैं। आईसीएमआर के आदेश के बाद हालांकि एम्स में कुछ महकमों में बढ़े हुए वेतन लागू कर दिए गए है। लेकिन कई महकमों का कहना है कि वे इसे अगले साल से लागू करेंगे। दरअसल, ज्यादातर रिसर्च प्रोजेक्ट गैर सरकारी एजेंसियों की फंडिंग पर चल रहे हैं। आरोप है कि मुख्य शोधकर्ता इसके लिए पोजेक्ट चला रही एजेंसियों से बढ़े हुए वेतन की मांग नहीं कर रहे हैं जिसके चलते यह समस्या पैदा हुई है। रिसर्च ऑफीसरों की तरफ से इस बाबत स्वास्थ्य मंत्रालय को शिकायत की जा रही है।

आक्रोश

- एम्स के कई महकमों को नहीं मिला छठे वेतन आयोग का लाभ
- एम्स में सैकड़ों शोधकर्ता हो रहे प्रभावित

राम-रावण एक मंच पर देंगे धरना

जनक बाजारों पर प्रशासन की आपत्ति के विरोध में कलाकार भी बैठेंगे धरने पर

प्रमुख संवाददाता
नई दिल्ली

राजधानी में रामलीलाओं के साथ मेलों के आयोजन पर पुलिस-प्रशासन की आपत्ति के विरोध में रामलीलाओं के कलाकार धरना-प्रदर्शन करेंगे। राम और रावण के एक मंच से धरना देने की शुरुआत यमुनापार के कलाकार करेंगे। दूसरी ओर रामलीला आयोजकों की महापंचायत लालकिला मैदान में हुई। अध्यक्ष सुखबीर सरन अग्रवाल ने सर्वसहमति से सरकारी रवैये के खिलाफ धरना देने का सिलसिला शुरु कर विरोध जताने की अपील की। महापंचायत ने सुरक्षा के नाम पर वर्षों से लग रहे जनक बाजारों पर रोक लगाने के फैसले को लाखों लोगों की भावनाओं के विरुद्ध बताया गया। इस मौके पर अर्जुन कुमार, डॉ. महेन्द्र नागपाल, सुभाष गोयल, भगवत स्वरूप ने विचार व्यक्त किए।

यमुना पार की रामलीलाओं के कलाकार व पदाधिकारी देंगे 28 सितंबर मंगलवार को धरना होगा। पुरानी व नई दिल्ली के रामलीला संगठनों व कलाकारों का 29 सितंबर बुधवार को धरना होगा।

दीप जलाकर रामलीलाओं व कॉमनवेल्थ खेलों के निर्विघ्न पूरा होने की कामना की।

जनक बाजार मुद्दा

- महापंचायत ने सुरक्षा के चलते जनक बाजारों पर रोक पर जताया आक्रोश
- महापंचायत ने धरना-प्रदर्शनों का सिलसिला शुरू करने की अपील की

> रामलीलाओं, दुर्गा पूजासहित अन्य धार्मिक आयोजनों पर किसी भी तरह की पाबंदी नहीं है। रामलीलाओं के दौरान होने वाले मेलों पर 14 अक्टूबर तक के लिए रोक लगाई गई है। इसकी वजह कॉमनवेल्थ खेलों के दौरान सुरक्षा है। रामलीला व खेलों को लेकर लगातार आतंकियों की धमकियां आ रही हैं। इसीलिए खेलों के दौरान मेलों की अनुमति नहीं दी जायेगी। आगामी 15 अक्टूबर से मेलों की अनुमति दी जायेगी।

राजन भगत, दिल्ली पुलिस के प्रवक्ता।

राजधानी में रामलीलाएं

राजधानी में होती हैं 25 बड़ी व छोटी करीब 1200 रामलीलाएं। रामलीलाओं के साथ लगने वाले मेलों से मिलती है करीब दो लाख लोगों को रोज़गार। चाट-पकौड़ी, खिलौने, झूलों, तीर-कमान, गदा व बच्चों के मुकुट तथा रावण बनाने वालों का होता है अनुमानित तीन करोड़ का कारोबार।

विदेशी भी होते हैं दर्शक

लाखों लोगों तक पहुंचते हैं आज की लीला के विशेष प्रसंग की जानकारी वाले एस.एम.एस.। रामलीला व मेलों में पहुंचते हैं विदेशी पर्यटक भी।

Government of Uttar Pradesh
Department of Rural Development

Bid Invitation Notice
For Implementation of "Rashtriya Swasthya Bima Yojana"

BID No.:1820/RSBY/10-11 Date:24.09.2010

The Competitive bids are invited for 13 districts of U.P. namely Hamirpur, Saharanpur, Muzaffarnagar, Lalitpur, Chitrakoot, Kanpur Nagar, Baghpat, Sitapur, Hardoi, Banda, Fatehpur, Moradabad and Rampur from Insurance Companies(Licensed and Registered with IRDA) or agencies (enabled by Central legislation to undertake Insurance related activities) dealing with Health Insurance for implementation of Rashtriya Swasthya Bima Yojana for BPL families in 13 districts of State of Uttar Pradesh for year 2010-11.

The Department of Rural Development, Govt. of Uttar Pradesh has setup "State level Nodal Agency" for implementation of the scheme. Technical and Financial Bid documents can be obtained from below mentioned address OR downloaded from website: http://rsby.up.nic.in between 27.09.2010 to 11.10.2010.

The technical bid and the financial bid should be sealed by the bidder in separate covers duly superscribed and both these sealed covers are to be put in a bigger cover which should also be sealed and duly superscribed. The financial bids of only the technically acceptable offers shall be opened for further evaluation and ranking before awarding the contract.

Following schedule will be observed in this regard.

1. Availability of bid documents (free of cost): 10:00 hrs to 18:00 hrs between 27.09.2010 to 11.10.2010(Except on 11/10/2010 and on 11/10/2010 between 10:00 am to 11:30am).
2. A pre-bid conference: At 15:00 hrs on 05.10.2010 at Meeting Hall, O/O: Commissioner, Rural Development, 10th Floor, Jawahar Bhawan, Ashok Marg, Lucknow. The bidders authorized representative (Maximum 2 from each bidder) may attend the pre-bid conference to clarify any matter regarding the scope and terms & conditions given in the bid documents.
3. Last date for submission of the completed bid documents: On or before 12:00 hrs. on 11.10.2010 at Meeting Hall, O/O: Commissioner, Rural Development, 10th Floor, Jawahar Bhawan, Ashok Marg, Lucknow.
4. Opening of technical bid: In the presence of bidder's representative at 15:30 hrs. on 11.10.2010 at Meeting Hall, O/O: Commissioner, Rural Development, 10th Floor, Jawahar Bhawan, Ashok Marg, Lucknow.
5. State Govt. / Commissioner Rural Development reserves the right to cancel the bid at anytime without explaining the cause.

Commissioner Rural Development
Department of Rural Development, Govt. of U.P.
(RSBY Cell), 21, Vidhan Sabha Marg,
Lucknow. (U.P.)-226001 INDIA
Ph.: 0522-6713427; Fax: 0522-6713424;
e-mail: ord-up@nic.in, uprsby@yahoo.co.in
All correspondence/communications about the scheme should be made at the above address.

स्मृतिशेष

In Everlasting Memory of My Brother **LALIT MOHAN PURI,** who expired on 27.9.1998. Fondly remembered by: **R. M. Puri, Kiran Puri, Shakeel and Sanah Dev, Pankaj and Tina Khurana**

भावभीनी श्रद्धांजलि
श्री नानक चन्द प्रधान

आपने हम सब को दी स्नेह-कर्म की रोशनी राह सच्ची है बताई वही हम सब ने चुनी... आज आपकी नौवीं पुण्य तिथि पर हम आपके असीम प्रेम एवम् स्नेह को स्मरण करते हैं। **गुणवन्ती देवी (पत्नी), कैलाश, अमर, महेश, विजय (पुत्र), इन्द्र राजपाल, पंकज राधवानी एवम् सुखवानी परिवार, त्रिलोक चौधरी (सीजीआर)। अर्चना गारमेन्ट्स, मैसर्स स्मार्ट इंजीनियर्स एण्ड कॉन्ट्रेक्टर, मैसर्स मनोज कन्स्ट्रक्शन कम्पनी, फोन नं. 9811015061, 9717025241**

REMEMBRANCE
29.5.1921 - 27.9.1989
Pt. Prem Sagar Vasishta
21st Death Anniversary
Dodi - Sh. Vijay Kaushik, Daughter - Son-in-law Pt. Ramesh Vasishta - Smt. Sarla Vasishta, Son - Daughter-in-law Sh. Mukul Sagar Vasishta-Smt. Garima Vasishta, Sh. Mukund Sagar Vasishta - Smt. Punam Vasishta, G.Sons - Daughters-in-law Master Siddharth Sagar Vasishta, Master Neil Sagar Vasishta, Baby Siddhi Vasishta, Great Grandchildren. 32, Sec-15-I, Ggn, 9811224288.

Maya Devi
श्रद्धांजलि (तीसरी पुण्य तिथि)
05.08.1950 - 27.09.2007

आज आपकी तीसरी पुण्य तिथि पर हम आपके असीम प्रेम एवं स्नेह को स्मरण करते हैं। रमेश, सुनीता, राकेश, शकुन्तला, गिरधर गोपाल, ईश्वरजी, राजेन्द्र लुगरियां, टूटू, हर्शी, हीना, हनी, नीतू, अंजली।

In Loving Memory of
SH. HUKUM CHAND KALRA
(05.08.1943)

May God shower peace on your soul. We have and will always respect values ingrained in us by you. We have loved you and will carry on loving you. Fondly remembered by: **Khushal Chand Kalra, Ashish Kalra, Daksh Kalra.**

In Loving Memory of
Sh. Nathu Prasad
(05.01.1935 - 27.09.2009

You were the angel who came from Heaven to touch our lives so deep and went away quietly. You are no more with us in physical form. Yet your divine presence continue to guide us in the form of courage, character and compassion in each moment of our lives. You are and will always be in our thoughts, actions and in our prayers. May you rest in eternal peace. Fondly remembered by **Smt. Natho Devi (Wife), All Family Members, Relatives and Friends. # 09990118054, 09873333908.**